वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

www.wagadsandesh.com

जन मन की आवाज

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-132 सागवाड़ा, बुधवार, 12 जनवरी, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

गेंहू से भरे दो ट्रक पकड़ने का मामला, रसद विभाग की जांच में सरकारी राशन के गेंहू की तस्करी की हुई पुष्टि

*** हथाई व सत्तू राशन डीलर के गौदाम से भरा गया था गेंहू,**

*** दोनों डीलर के गौदामो के स्टोक में 243 क्विंटल 93 किलो कम मिला गेंहू**

डूंगरपुर। जिले के आसपुर डिप्टी द्वारा कल दोवडा थाना क्षेत्र में गेंहू से भरे तो ट्रको को पकड़ने के मामले में रसद विभाग ने अपनी जांच में उक्त गेंहू सरकारी राशन का होने की पुष्टि कर दी है। ये गेंहू हथाई व सत्तू गांव के डीलर्स के गौदामो से गुजरात के हिम्मत नगर में तस्करी के लिए भरा गया था। रसद विभाग की जांच में दोनों डीलर्स के गोदामों के स्टोक में 243 क्विंटल 93 किलो सरकारी राशन का गेंहू कम मिला है। रसद विभाग अब जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौपेगा। डूंगरपुर जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने बताया की कल आसपुर डिप्टी ने दोवडा थाना क्षेत्र में हथाई-फलोज मार्ग पर तस्करी की आशंका के चलते गेंहू से भरे दो ट्रको को जब्त किया था और उन्हें दोवडा थाने में रखवाया था। वही मामले की जानकारी पुलिस की ओर से रसद विभाग को दी गई थी।

जिसके बाद कल रसद विभाग ने दोनों ट्रक हथाई राशन डीलर वागजी पटेल के होने के चलते हथाई राशन डीलर वागजी पटेल के राशन के गौदाम को सील कर दिया था।

वही आज रसद अधिकारी विपिन जैन व निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह अग्रिम जांच के लिए हथाई पहुंचे जहा उन्होंने गोदाम की सील खोली और गोदाम में सरकारी गेंहू के स्टोक का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान जांच में स्टोक के तहत गौदाम में 442 क्विंटल 21 किलो गेंहू होना चाहिए था लेकिन स्टोक में 193 क्विंटल 40 किलो गेंहू कम मिला।

वही रसद विभाग की टीम ने हथाई के पास सत्तू गाँव के राशन डीलर शंकरलाल खराडी के गौदाम में गेंहू के स्टोक की भी जांच की तो वहा स्टोक के तहत 368 क्विंटल 34 किलो गेंहू होना चाहिए था लेकिन यहाँ पर 50 क्विंटल 53 किलो गेंहू कम मिला।

जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने बताया की दोनों राशन डीलर्स के गौदाम में सरकारी राशन का कुल 243 क्विंटल 93 किलो गेंहू कम मिला है। ऐसे में जो कल गेंहू से भरे ट्रक पकडे गए थे उन ट्रको में भरा गया गेंहू सरकारी राशन का ही गेंहू था और ये गेंहू दोनों डीलर्स द्वारा गुजरात के हिम्मत नगर में महेश स्मोल प्रोसेसिंग यूनिट में भेजा जा रहा था।

जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने बताया की सरकारी राशन के गेंहू की तस्करी के मामले में दोनों राशन डीलर्स को निलंबित करने की कार्रवाई की जाएगी वही जांच रिपोर्ट जिला कलेक्टर को सौपी जायेगी। जिसके बाद नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

डूंगरपुर हॉस्पिटल का लैब टेक्नीशियन समेत 35 नए कोरोना पॉजिटिव केस, एक्टिव केस बढ़कर 288

डूंगरपुर। डूंगरपुर में आज बुधवार को 35 नए कोरोना पॉजिटिव केस आये है। इसमें 23 मरीज अकेले डूंगरपुर शहर के अलग-अलग कॉलोनियों से है। वही डूंगरपुर जिला अस्पताल का एक लैब टेक्नीशियन भी कोरोना पॉजिटिव आया है। इसके साथ जिले में पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 288 तक पंहुच गई है। जिले में कोरोना मरीजों का तेजी से इजाफा हो रहा है। सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा ने बताया कि डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज से आज बुधवार को आई रिपोर्ट में 35 नए पॉजिटिव केस की पुष्टि हुई हैं। इसमे 19 महिलाएं और 16 पुरुष पॉजिटिव है। जिसमें 6 बच्चे है ओर उनकी उम्र 5 से 16 साल के बीच है। वहीं 3 बुजुर्ग पॉजिटिव आए है। डूंगरपुर शहर से 23 पॉजिटिव केस आये है। इसमें डूंगरपुर हॉस्पिटल से एक लैब टेक्नीशियन भी कोरोना संक्रमित आया है। वही शहर के ब्रम्हस्थली कॉलोनी से 5, आदर्श नगर से 1, प्रगति नगर से 1, पूजा सर्जिकल से 1, आजाद नगर से 3, शास्त्री कॉलोनी से 1, शिवाजी नगर से 1, सैफी मस्जिद के पास से 1, इंद्रानगर से 1, प्रतापनगर से 1, जयहिंद नगर से 2, न्यू कॉलोनी से 1, आकाशवाणी कॉलोनी नवाडेरा से 2 ओर तिलक नगर से 1 पॉजिटिव केस आया है। इसी तरह जिले के अलग-अलग गांवो से 12 पॉजिटिव केस आये है। इसमें कंडूला से 1, गैंहूवाड़ा से 1, कनबा से 1, माथुगामड़ा से 1, वस्सी से 2, दिवडा छोटा से 1, कावड़िया से 1, रास्तापाल से 1, धंबोला से 1, सीमलवाड़ा से 1 ओर जुई तलाई गांव से 1 पॉजिटिव केस आया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम पॉजिटिव मरीजों के कॉन्टेक्ट व ट्रैवल हिस्ट्री खंगाल रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम घरों पर जाकर दवाइयां दे रही है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने मानव श्रृंखला बनाकर धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया

सागवाड़ा। उपखंड मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंजाब प्रवास के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था में पंजाब सरकार द्वारा भारी चूक और साजिश के विरोध में मानव श्रृंखला बनाकर धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया।

शहर के मुख्य चौराहे पर ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ ने डूंगरपुर बांसवाडा सांसद कनकमल कटारा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा चुक को लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए मानव श्रंखला बनाकर पंजाब सरकार का विरोध किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए सांसद कनकमल कटारा ने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री पाकिस्तान की सीमा पर पुल पर 20 मिनट तक तथाकथित किसानों के झुंड के बीच घिरे रहे, लेकिन पंजाब पुलिस ने इसकी कोई परवाह नहीं की। इस अवसर पर हरीश पाटीदार, श्याम भट्ट, सत्य नारायण सोनी, नारायण दर्जी, कुतुबुद्दीन कोठी, बदामीलाल मेहता, कान्तिलाल डामोर, वासुदेव बरजोड़, शेख राजू भाई बर्तन वाला,मनोज कंसारा,नीरज पंचाल,मांगीलाल डामोर, मंगलेश वाडेल, नानालाल दर्जी, कांतिलाल खटिक सहित कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

पुलिस कांस्टेबल के छोटे भाई ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली

डूंगरपुर । जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के हडमतिया फला गाँव में पुलिस कांस्टेबल के छोटे भाई ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक 11 वी कक्षा का छात्र था जो की झोथरी स्कूल में अध्यन रत था। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। डूंगरपुर जिले के चौरासी थानाधिकारी भेमजी गरासिया ने बताया की हडमतिया फला गाँव लक्ष्मण रोत के 5 संताने है। जिसमे सबसे बड़ा लड़का उदयपुर जिले के कल्याणपुर थाने में कांस्टेबल है। वही सबसे छोटी संतान 16 वर्षीय बाबूलाल है जो की झोथरी स्कूल में 11 वी कक्षा में पढता है। उन्होंने बताया की बीती को रात को लक्ष्मण रोत, उसकी पत्नी चंपा, तीन बेटो व एक बेटी के साथ खाना खाकर घर में सोया था। जिसमे सबसे छोटा लड़का 16 वर्षीय बाबूलाल अलग कमरे में सोया था करीब एक घंटे पानी देने के लिए बाबूलाल के कमरे में गई तो कमरा अन्दर से बंद था। जिस पर माँ चंपा ने गेट खटखटाया तो बाबूलाल ने गेट नहीं खोला। इसके बाद चंपा व उसके पति लक्ष्मण ने गेट तोडा और अन्दर जाकर देखा तो बाबूलाल उसकी माँ की साडी का फंदा लगाकर लटका हुआ था। घरवालो ने बाबूलाल को नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने सुबह मामले की जानकारी चौरासी थाना पुलिस को दी। सुचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव को मौके से उठवाकर जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुँचाया। जहा पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेलने-कूदने और पढ़ाई-लिखाई की छोटी सी उम्र में बच्चियां मौत के खेल का करतब दिखा रही है

डूंगरपुर। खेलने-कूदने और पढ़ाई-लिखाई की छोटी सी उम्र में छत्तीसगढ़ निवासी बच्चियां 8 से 10 फ़ीट की ऊंची रस्सी पर चलकर इन दिनों डूंगरपुर जिले में मौत के खेल का करतब दिखा रही है। उनके करतब को देखकर हर कोई दांतो तले उंगली दबाने को भी मजबूर है। लेकिन पीढियों से चली आ रही इस परम्परा का निर्वहन करने वाली इन बच्चियों के करतब से ही उनका ओर परिवार का पेट भी पल रहा है। डूंगरपुर शहर की सड़कों पर करतब दिखाए रही छोटी बच्चियों की उम्र महज 6 से 9 साल की है। इस उम्र बच्चियों के खेलने-कूदने ओर पढ़ने-लिखने की है लेकिन शिक्षा की डगर से दूर पापी पेट के लिए ये बच्चिया रस्सी पर मौत का खेल दिखाने को मजबूर है। बच्चियां रस्सी से मौत का खेल इतना बेहतर करती है कि देखने वाला भी दंग रह जाती है । जय कुमार राजनट ने बताया कि वे छत्तीसगढ़ के जांजगीर बेलहाडी गांव के रहने वाले है।

उनके परिवार में कई पीढ़ियों से रस्सी से मौत का झूला का करतब दिखाते है। बच्ची के 5 साल की होने के बाद ही उसे रस्सी पर चलने की ट्रेनिंग शुरू कर देते है। 2 महीने में रस्सी पर बैलेंसिंग के साथ करतब सीख लेती है और फिर टोली के साथ ही बच्चियां अलग-अलग राज्य, जिलों व गांवो में जाकर करतब दिखाते है। करतब दिखाने के बाद लोग खुश होकर जो कुछ देते है उसी से उनका ओर पूरे परिवार का पेट पलता है। जय कुमार राजनट ने बताया कि छत्तीसगढ़ में राजनट परिवार में हर घर मे बच्चियां इस तरह के करतब दिखाती है। उनके रोजगार का भी यही एक माध्यम है। सरकार की ओर से भी कभी कोई मदद नहीं मिलती, जिस कारण यह काम छोड़ने की इच्छा होने के बाद भी नहीं छोड़ सकते है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरखो की यह कला आज भी जीवित है।

पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को सुनाई 10 साल के कठोर कारावास की सजा, एक लाख रुपए का किया जुर्माना

डूंगरपुर। जिले की पोक्सो कोर्ट ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी मानते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वही 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। लैंगिंग अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम एवं बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पीठासीन अधिकारी ने मामले में सुनवाई पूरी करते हुए आज ये फैसला सुनाया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक योगेश जोशी ने बताया कि 16 फरवरी 2020 को एक नाबालिग पीड़िता (17) ने कुंआ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसमे बताया कि 9 फरवरी की रात को वह घर में सोई थी। उसके माता और पिता घर के आगे आंगन में सोए थे। रात के समय कुंआ थाना क्षेत्र के बड़गामा फला गोयणा निवासी शैलेश (21) पुत्र दिलीप घर पर आया। दरवाजे को धक्का देकर घर के अंदर घुस गया और उसके पास खाट पर आकर सो गया। आरोपी शैलेश ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने लगा। चिल्लाने पर घर के आंगन में सोए उसके माता-पिता उठकर आए। इस पर आरोपी शैलेश वहां से भाग गया था। वही 18 फ़रवरी को पीडिता का मेडिकल करवाया था और शाम को वह घर लौटी थी। उसी दिन देर शाम शैलेश फिर आया और उसे पत्नी बनाने का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले गया था। जिसके पुलिस ने पीडिता को दस्तयाब किया था और आरोपी को गिरफ्तार किया था। गिरफ़्तारी के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया था। इसी मामले में अंतिम सुनवाई करते हुए विशिष्ट न्यायालय पोक्सो कोर्ट ने आरोपी शैलेश को लैंगिंग अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम के तहत दोषी करार देते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वही दोषी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वही मामले में कोर्ट ने पीड़िता ओर उसके माता-पिता को पक्षद्रोही माना है।

एक ही परिसर में 26 कार्मिको के पॉजिटिव आने से हड़कंप, नगरपरिषद की टीम ने कलेक्ट्रेट व कोर्ट परिसर को करवाया सेनेटाइज

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले में कोरोना संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इधर डूंगरपुर कलेक्ट्रेट व कोर्ट ने एक साथ 26 कार्मिको के कोरोना पोजिटिव आने से एक परिसर में बने डूंगरपुर कलेक्ट्रेट और कोर्ट कोरोना का हॉट स्पॉट बन गया है।

इधर बड़ी संख्या में कोरोना केस आने के बाद नगरपरिषद की टीम ने कलेक्ट्रेट व कोर्ट परिसर को सेनेटाइज करवाया है। डूंगरपुर जिले में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। डूंगरपुर में 8 दिनों में 253 पॉजिटिव केस आये है। दो दिन पहले एडीएम कृष्णपालसिह चौहान के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से कलेक्ट्रेट व कोर्ट में बड़े पैमाने पर कोरोना सैम्पलिंग करवाई गई। इन सेम्पलिंग में से 26 कार्मिको की रिपोर्ट पोजिटिव आई। इसमें 18 केस कलेक्ट्रेट ओर 8 केस कोर्ट परिसर से है। इसमे कर्मचारी ओर वकील की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इधर डूंगरपुर कलेक्ट्रेट ओर कोर्ट से बड़ी संख्या में आये पॉजिटिव मरीजों से कंयूनिटी स्प्रिड का खतरा भी बन गया है। डूंगरपुर में कोर्ट और कलेक्ट्री एक ही परिसर में बने हुए है।

कलेक्ट्रेट व कोर्ट परिसर को किया सेनेटाइज, सुने रहे ऑफिस

डूंगरपुर कलेक्ट्रेट व कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में कोरोना मरीजो के आने के बाद बुधवार को नगरपरिषद की ओर से सेनेटाइज करवाया गया। दोनों परिसर के सभी कमरों को नगर परिषद की टीम की ओर से सेनेटाइज किया गया। वहीं बुधवार को ऑफिस खुलने के बाद कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों में हड़कंप मचा रहा। कलेक्ट्री से लेकर कोर्ट परिसर खाली नजर आए। जिन अधिकारियों व कर्मचारियो के जरूरी काम थे वहीं आये। इस कारण कई कमरे खाली नजर आए। वहीं कलेक्ट्री में हर रोज नजर आने वाली भीड़ भी गायब रही। डूंगरपुर एसडीएम मणीलाल तीरगर ने बताया कि कलेक्ट्री परिसर को सेनेटाइज करवा दिया है। कार्यालय में जरूरी कर्मचारियों को ही बुलाया जा रहा है। जिन कार्यालय में पॉजिटिव मरीज आये है उन्हें 72 घंटे के लिए सील कर दिया है।

कोविड में किसी भी प्रकार कि लापरवाही बर्दाश नही मास्क, स्क्रीनिंग और वेक्सीनेशन पर रखे ध्यान

कोरोनो को लेकर पालिका कर्मियों की बैठक

सागवाड़ा। नगर पालिका में अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मोहिल की मोजुदगी में नगरपालिका कर्मचारियों की बैठक में कोरोनो गाइड लाइन की पालना के निर्देश दिये गए। मोहिल ने बताया कि कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सरकार ने सख्ती की है। सरकार की ओर से जारी गाईड लाइन की पालना सख्ती से करानी होगी। शहर में बिना मास्क गुम रहे लोगों को पाबंद कर जुर्माना वसूल किया जाए। मोहिल ने बताया कि शादियों पर नजर रखी जाए साथ ही सार्वजनिक समारोह पर लगी पाबंदियां की पालना कराई जाए। शहर में स्वच्छता, वेक्सीनेशन, सेनेटाइजेशन और स्क्रीनिंग का भी ध्यान रखना होगा। मोहिल ने बताया कि रात को 8 बजे बाजार बंद हो जाए उसकी पालना की जाए। इसमें पुलिस प्रशासन की सहायता ली जाए। शहर में एक जगह भीड़ एकत्र न हो इसकी पालना की जाए। पालिकाकर्मी भी कोविड गाइड लाइन की पालना करते हुए मास्क का उपयोग करें। सफाई कर्मी इस बात का विशेष ध्यान रखते हुए शहरी की सफाई व्यवस्था चाक चौबंद रखे। अधक्ष्य नरेन्द्र खोड़निया ने प्रतिदिन नगर में पालिका वाहन से शहर में छिडकाव करने एव मास्क बाटने के निर्देश दिए साथ ही पालिका परिसर में आने वाले आमजन को माक्स पहनने पर ही कार्यालय के अन्दर आने दिए जाने हेतु निर्देश दिए गये हे इस मोके पर पालिका उपधाक्ष्य राजू मामा पार्षद लादू गवारिया अशोक रोत जवाहरलाल सहित पालिका कर्मचारी जगदीश पाटीदार मामन वर्गिस अक्षय सेवक रोशन व्यास प्रवीण पाटीदार राजेश डेण्डोर मिलीन मीणा सहित पालिका कर्मचारी मोजूद रहे

युवक ने अपने ही घर में माँ की साडी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली

डूंगरपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के बलवाड़ा गांव में एक युवक ने अपने ही घर में माँ की साडी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त युवक की माँ ओर बहन पड़ोस के दूसरे घर मे छाछ लेने गए थे। करीब आधे घंटे बाद वापस लौटे तो बेटे को लटका देखकर होश उड़ गए। डूंगरपुर जिले के कोतवाली थाना हैड कांस्टेबल सोहनलाल ने बताया कि बलवाडा फला मदा निवासी रोहित बरंडा मीना (16) पुत्र राजू बरंडा 10वी कक्षा का छात्र है जो की मेताली गांव में मामा के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। स्कूलों में छुट्टियां होने से वह घर आया था। पिता राजू गुजरात मे मजदूरी करते है। मंगलवार रात के समय मॉ रमिला ओर बहन माया पड़ोस के घर पर छाछ लेने गए थे। करीब आधे घंटे बाद ही दोनों वापस घर लौटे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था।

भाजपा के संभाग प्रभारी हेमराज मीणा ने डूंगरपुर भाजपा संगठन की ली बैठक

दायित्वों का निर्वहन नहीं करने वाले पदाधिकारियों को कहा

काम नहीं होता तो दे दे त्याग पत्र

डूँगरपुर। भारतीय जनता पार्टी के उदयपुर संभाग संगठन प्रभारी हेमराज मीणा बुधवार को डूंगरपुर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यालय में संगठन पदाधिकारियों की बैठक लेते हुए संगठन को मजबूत करने और भाजपा के समर्पण निधि संग्रहण अभियान को सफल बनाने को लेकर निर्देश दिए। वही दायित्वों का समय पर निर्वहन नहीं करने वाले पदाधिकारियों को काम नहीं होने पर त्याग पत्र देने की हिदायत दी है। उदयपुर संभाग संगठन प्रभारी हेमराज मीणा की अध्यक्षता में भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, समर्पण निधि संग्रहण अभियान संभाग सह संयोजक केके गुप्ता और जिलाध्यक्ष प्रभु पंड्या सहित मंडल व मोर्चो के अध्यक्ष तथा जिला कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान समर्पण निधि संग्रहण

अभियान संभाग सह संयोजक केके गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि समर्पण निधि अभियान में उदयपुर संभाग को पुरे राजस्थान में अव्वल लाना है इसके लिए सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओ के साथ मिलकर अपने-अपने क्षेत्र में जुट जाये। संभाग प्रभारी हेमराज मीणा ने मंडल अध्यक्षों व् विभिन्न मोर्चो के अध्यक्षों के साथ बारी-बारी से चर्चा की और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमो की प्रगति की जानकारी ली।

इस दौरान मीणा ने कमजोर प्रदर्शन वाले पदाधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों को समय पर पूरा करे अन्यथा पद त्याग दे। मीणा ने जिलाध्यक्ष प्रभु पंड्या को निर्देश दिए कि बूथ कमेटियां और पन्ना प्रमुख बनाने में जो पदाधिकारी कार्य नहीं कर पा रहे है उसे हटाकर नए उर्जावान कार्यकर्ता को दायित्व सौपा जाए। बैठक के दौरान प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा ने जिन मंडल व मोर्चो की कार्यकारिणी नहीं बनी है उन अध्यक्षों को शीघ्र का घोंयकारिणी की घोषित करने के निर्देश दिए है।